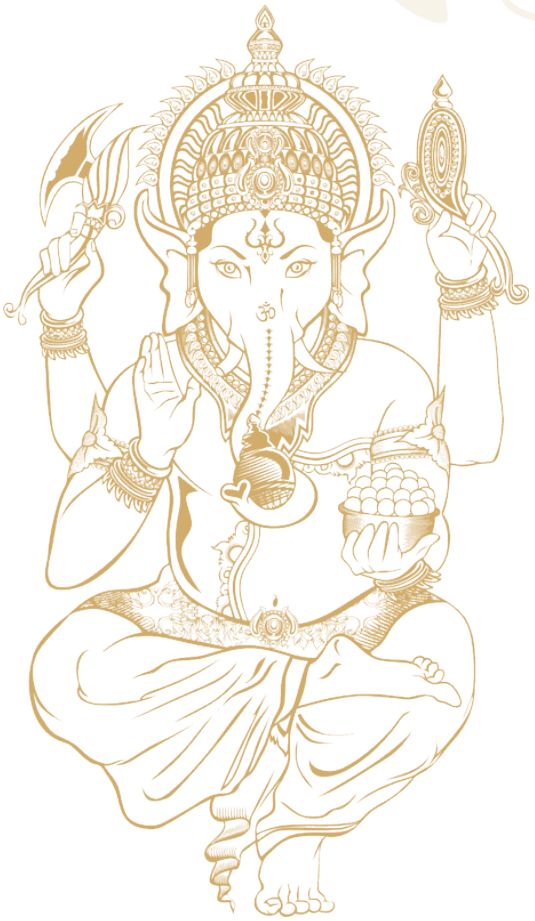

Mr.

30 Mar 2026

11:00 AM

Noida

Model: web-freekundliweb

Order No: 121707204

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**30/03/2026**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**11:00:00 घंटे**
इष्ट	11:57:12 घटी
स्थान	**Noida**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	28:40:00 उत्तर
रेखांश	77:26:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:20:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	10:39:44 घंटे
वेलान्तर	-00:04:30 घंटे
साम्पातिक काल	23:10:14 घंटे
सूर्योदय	06:13:07 घंटे
सूर्यास्त	18:36:55 घंटे
दिनमान	12:23:48 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	15:18:08 मीन
लग्न के अंश	06:56:11 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**मघा - 4**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	शूल
करण	कौलव
गण	राक्षस
योनि	मूषक
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	मे-मेहर
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	06:56:11	329:12:26	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	---
सूर्य			मीन	15:18:08	00:59:17	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	गुरु	मित्र राशि
चंद्र			सिंह	11:15:08	13:10:14	मघा	4	10	सूर्य	केतु	शनि	मित्र राशि
मंगल		अ	कुंभ	27:30:24	00:46:59	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	सम राशि
बुध			कुंभ	18:03:48	00:44:39	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	सूर्य	सम राशि
गुरु			मिथु	21:26:41	00:03:36	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			मेष	05:14:06	01:13:56	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	मंगल	सम राशि
शनि		अ	मीन	11:06:07	00:07:29	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	चंद्र	सम राशि
राहु			कुंभ	14:34:10	00:00:18	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु			सिंह	14:34:10	00:00:18	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	04:27:34	00:02:33	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	07:54:43	00:02:16	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	केतु	---
प्लूटो			मक	10:57:41	00:01:01	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
दशम भाव			कुंभ	22:15:14	--	पू०भाद्रपद	--	25	शनि	गुरु	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:32

लग्न-चलित

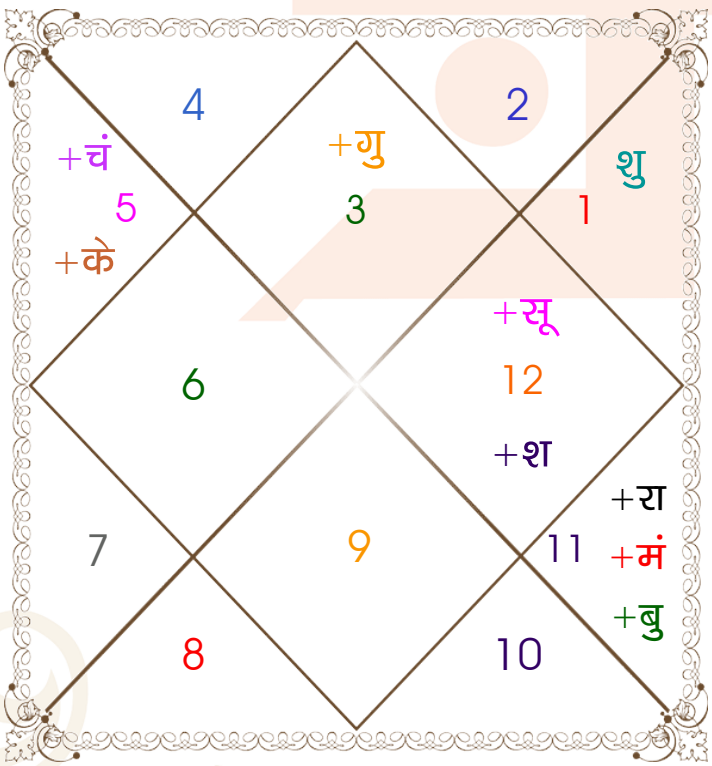

चन्द्र कुंडली

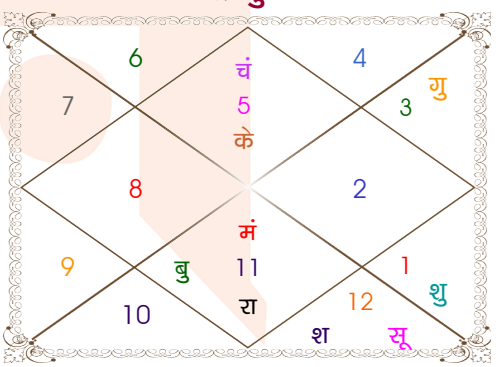

नवमांश कुंडली

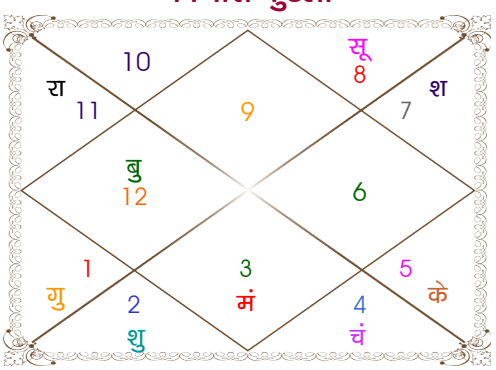

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 1 वर्ष 1 मास 3 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
30/03/2026		03/05/2027		03/05/2047		03/05/2053		03/05/2063	
03/05/2027		03/05/2047		03/05/2053		03/05/2063		03/05/2070	
	00/00/0000	शुक्र	02/09/2030	सूर्य	21/08/2047	चंद्र	03/03/2054	मंगल	29/09/2063
	00/00/0000	सूर्य	02/09/2031	चंद्र	19/02/2048	मंगल	02/10/2054	राहु	17/10/2064
	00/00/0000	चंद्र	03/05/2033	मंगल	26/06/2048	राहु	02/04/2056	गुरु	23/09/2065
	00/00/0000	मंगल	03/07/2034	राहु	21/05/2049	गुरु	02/08/2057	शनि	01/11/2066
	00/00/0000	राहु	02/07/2037	गुरु	09/03/2050	शनि	03/03/2059	बुध	30/10/2067
	00/00/0000	गुरु	02/03/2040	शनि	19/02/2051	बुध	02/08/2060	केतु	27/03/2068
	30/03/2026	शनि	03/05/2043	बुध	26/12/2051	केतु	03/03/2061	शुक्र	27/05/2069
शनि	06/05/2026	बुध	03/03/2046	केतु	02/05/2052	शुक्र	01/11/2062	सूर्य	02/10/2069
बुध	03/05/2027	केतु	03/05/2047	शुक्र	03/05/2053	सूर्य	03/05/2063	चंद्र	03/05/2070

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
03/05/2070		02/05/2088		03/05/2104		04/05/2123		03/05/2140	
02/05/2088		03/05/2104		04/05/2123		03/05/2140		00/00/0000	
राहु	13/01/2073	गुरु	20/06/2090	शनि	07/05/2107	बुध	30/09/2125	केतु	29/09/2140
गुरु	09/06/2075	शनि	01/01/2093	बुध	14/01/2110	केतु	27/09/2126	शुक्र	30/11/2141
शनि	15/04/2078	बुध	09/04/2095	केतु	23/02/2111	शुक्र	28/07/2129	सूर्य	06/04/2142
बुध	01/11/2080	केतु	15/03/2096	शुक्र	25/04/2114	सूर्य	03/06/2130	चंद्र	05/11/2142
केतु	19/11/2081	शुक्र	14/11/2098	सूर्य	07/04/2115	चंद्र	03/11/2131	मंगल	04/04/2143
शुक्र	19/11/2084	सूर्य	02/09/2099	चंद्र	05/11/2116	मंगल	30/10/2132	राहु	21/04/2144
सूर्य	14/10/2085	चंद्र	02/01/2101	मंगल	15/12/2117	राहु	19/05/2135	गुरु	28/03/2145
चंद्र	15/04/2087	मंगल	09/12/2101	राहु	21/10/2120	गुरु	24/08/2137	शनि	31/03/2146
मंगल	02/05/2088	राहु	03/05/2104	गुरु	04/05/2123	शनि	03/05/2140		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 1 वर्ष 1 मा 6 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के प्रथम चरण में हुआ है। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन लग्न के साथ-साथ धनु का नवमांश एवं मिथुन राशि का ही द्रेष्काण भी उदित हो रहा था। मिथुन लग्न की आकृति के फलस्वरूप यह प्रभाव स्पष्ट है कि आपका जीवन पूर्ण रूपेण उत्थान-पतन से युक्त तथा बार-बार उत्थान पतन का कारक भी है। यदि आप सतर्क नही रहे तो सदैव ही उच्चता एवं नीचता का वातावरण बनता रहेगा तथा आपको अपनी प्रतिष्ठा की रक्षा करने के लिए तथा विपत्ति अर्थात् दीनता से संघर्ष करने की सभी संभावनाएं क्षीण हो जाएगी। आपको अपने प्रारंभिक जीवन की शुरूआत के साथ ही सतर्कता पूर्वक संबंधित व्यवधानों की रोकथाम की प्रक्रिया भी प्रारंभ करना होगा। लग्न नवमांश के प्रभाव से आपके जीवन में उत्तमता हेतु आशा किरण का उदय आपकी आयु के पचीसवें वर्ष में दृष्टिगत होता है। आप अपनी हठधर्मिता को त्याग कर धैर्य पूर्वक समय की प्रतीक्षा करें। वास्तव में व्यक्तिगत रूप से आपकी कुशाग्रता और आपको अपने आत्मज्ञान के माध्यम से जीवन की दूरी तय करनी चाहिए। यदि आप अपने किसी भी एक चयनित रास्ते पर साहस और एकाग्रता पूर्वक चलते रहे तों सर्वोच्च पद पर पहुंचेगे। आपके लिए पत्रकारिता, लेखन कला, साथ ही कलात्मक कार्य व्यवसाय से आप लाभ प्राप्त करेंगे।

परंतु आपकी ऐसी आदत है कि आप अनिश्चित बाधाओं के प्रति बहुधा सशंकित रहते हैं तथा प्रायः अनिश्चित स्थिति में अर्थात् दुविधापूर्ण वातावरण से आप घिर जाते हैं। आप एक लुढकते हुए पत्थर के समान अपना आचरण रख कर, निश्चित लाभांश प्राप्त करने में असफल रह जाते हैं। आपकी अनुदारता के कारण आपकी चाह रहती है कि संक्षिप्त प्रकार से निर्दिष्ट विषय पर पॉलिस करके मानक विधान को स्वीकार कर, विजय श्री प्राप्त करें।

आप भाग्य की कृपा से किसी एक कार्य को संपादित कर अन्य कार्य का उत्तरदायित्व ग्रहण कर सकते हैं। परंतु आप में एकाग्रता का अभाव विद्यमान है। दिक्कत यह है कि आप इस अभाव को केंद्रीकरण करने के पश्चात् ही किसी भी उत्तरदायीत्व को ग्रहण कर बिना कार्य पूर्ण किए ही अन्य कार्यों को संपादन करने का अवसर अपने हाथ में ले लेते हैं।

अति महत्वाकांक्षा के प्रभाव से आप ऐसा कार्य संचालित कर लेते हैं। क्योंकि आप चमत्कारिक ढंग से धन प्राप्त कर धनी बन जाना चाहते हैं। आपको अपनी आय बढ़ाने की पवृत्ति ऐसी है कि आप यदा-कदा एक ही साथ दो स्थानों पर एक ही समय कोई कार्य प्रारंभ कर, लाभ उपार्जित करने का प्रयास करते हैं। परंतु यह आकस्मिक स्थिति मात्र कुछ समय तक ही प्रभावित रहती है।

आपकी दूसरी समस्या यह है कि आप जन सामान्य के साथ तथा इनके द्वारा लोकप्रियता प्राप्त करते हैं। इस प्रकार आप अपने स्वास्थ्य पर ध्यान नहीं दे पाते। आपको एकाग्रतापूर्वक अपने मित्र मंडली में बदलाव लाना होगा। ये लोग आपको सामान्य तरंगित भावनाओं को समझ पाना दुष्कर समझते हैं। अर्थात आप कैसे व्यक्ति हो उनके लिए समझ पाना उतना आसान नही हैं। आप में यह रहस्यमयी शक्ति विद्यमान है कि आप अन्य

किसी की भावनाओं को पूर्ण रूपेण समझ लेते हैं, तथा उसके बाद अपने ढंग से उसको प्रदर्शित करते हैं। आपका स्वभाव निःसंदेह ऐसा है कि आप आश्चर्यजनक प्रभाव से दूसरों को प्रभावित करते हैं। परंतु आप वातावरण को अनुकूल बनाने में अक्षम रहते हैं।

आपको जब कोई भी जीवन की उन्नति के अन्य मार्ग दृष्टिगत नही होते तब आप अपनी क्षमता के अनुरूप अपने धन को लाभजनक कार्य में लगा देते हैं। निम्नांकित बिन्दुओं पर विधानतः तदनुसार आचरण करना चाहिए जो कि आपकी लापरवाही के विरुद्ध जीवन के महत्वपूर्ण सांकेतिक शब्द हैं।

आपके जीवन के लिए महत्वपूर्ण रंग पीला, हरा, ब्लू एवं मोतिया एवं गुलाबी रंग हैं। परंतु हर दशा में रंग काला एवं लाल सर्वथा त्याज्य है।

इसके अतिरिक्त अंक 4 एवं 8 अंक का व्यवहार सर्वथा प्रतिकूल है। जबकि अंक 7 एवं 3 अंक आपके लिए वास्तव में अनुकूल हैं।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।